भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1957

06 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कैंसर और हृदय रोगों के बढ़ते मामले

1957. श्री राजीव राय:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि देश में पिछले तीन वर्षों के दौरान कैंसर रोगियों और ह्दयाघात रोगियों की संख्या में अचानक वृद्धि हुई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने ऐसे मामलों के कारणों का पता लगाने के लिए कोई शोध कराया है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम रहे; और
(घ) सरकार द्वारा देश में पिछले तीन वर्षा के दौरान कैंसर रोगियों और हृदयाघात रोगियों की संख्या को कम करने के लिए क्या विशेष उपचारात्मक कदम उठाए गए/ उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (आईसीएमआर-एनसीआरपी) के अनुसार, पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के अनुसार कैंसर के व्याप्तता के मामलों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है;

कैंसर के व्याप्तता के मामलों की अनुमानित संख्या (2021-2023) – स्त्री पुरुष दोनों			
वर्ष	**2021**	**2022**	**2023**
भारत में कैंसर के व्याप्तता के मामलों की अनुमानित संख्या	1426447	1461427	1496972

आईसीएमआर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कैंसर के व्याप्तता के मामलों की संख्या में वृद्धि का कारण कैंसर का पता लगाने के लिए बेहतर नैदानिक तकनीकों की पहुँच और उपलब्धता, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि,

जरावस्था की बढ़ती आबादी, स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार है। आईसीएमआर ने यह भी बताया है कि गैर-संचारी रोगों{ (एनसीडी) कैंसर और हृदय संबंधी रोगों सहित} से जुड़े पारंपरिक जोखिम कारकों जैसे तंबाकू और शराब का सेवन, कम शारीरिक कार्यकलाप, अस्वास्थ्यकर आहार, अधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा का सेवन आदि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

(घ): भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उचित स्तर की स्वास्थ्य सेवा सुविधा के लिए रेफरल और कैंसर तथा संबंधी बीमारियों सहित गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। एनपी-एनसीडी के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 372 जिला डे केयर सेंटर, 233 कार्डियक केयर यूनिट और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक हिस्से के रूप में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों सहित आम गैर-संचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इन आम गैर-संचारी रोगों की जांच सेवा वितरण का एक अभिन्न अंग है।

इसके अलावा, कैंसर और हृदय रोगों सहित गैर-संचारी रोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, विश्व कैंसर दिवस, विश्व उच्च रक्तचाप दिवस और विश्व हृदय दिवस मनाना, निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। कैंसर और हृदय रोगों सहित गैर-संचारी रोगों के लिए जागरूकता पैदा करने के कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई) के "ईट राइट इंडिया मूवमेंट" के माध्यम से "स्वास्थ्यकर भोजन" को बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा "फिट इंडिया मूवमेंट" को क्रियान्वित किया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं।

****